NCERT SOLUTIONS

CLASS-9th



aglasem.com

Book : Kritika

Class : 9th Subject : हिंदी Chapter : 2

Chapter Name : मेरे संग की औरतें

Q1 लेखिका ने अपनी नानी को कभी देखा भी नहीं फिर भी उनके व्यक्तित्व से वे क्यों प्रभावित थी? Answer.

लेखिका अपनी नानी से इसलिए प्रभावित थी क्योंकि जब उसके नाना विलायत से पढ़कर लौटे और विलायती ढंग से जिंदगी जीने लगे तो उसकी नानी के रहन-सहन पर कोई असर नहीं हुआ और न ही नानी ने अपनी किसी इच्छा और पसंद न-पसंद को अपने पित को बताया। नानी अपनी बेटी की शादी किसी क्रांतिकारी से करवाना चाहती थी। इस घटना से उनका देश के प्रति अटूट प्रेम से भी लेखिका प्रभावित थी।लेखिका की नानी भले ही अनपढ़ और परदे वाली महिला रही पर पित की जिंदगी मे कोई दखल नहीं दिया और अपनी निजी जीवन में आज़ाद विचारों वाली महिला थी। इससे भी लेखिका बह्त प्रभावित थी।

Page: 26, Block Name: प्रश्न अभ्यास

Q2 लेखिका की नानी की आज़ादी के अंदोलन में किस प्रकार की भागीदारी रही? Answer.

नानी के मन में स्वतंत्रता की भावना थी इस लिए उन्होंने अपनी बेटी की शादी क्रांतिकारी से करने की इच्छा व्यक्त की जिससे उनके देश प्रेम की भावना का पता चलता है। लेखिका की नानी की वैसे तो प्रत्यक्ष रूप से आज़ादी के आंदोलन मे किसी प्रकार की भागीदारी नहीं रही पर उन्होंने विलायती जीवन शैली को कभी स्वीकारा नहीं। अतः उन्होंने अपने बच्चों को अंग्रेज-भक्तों से मुक्त करवाया। इस तरह अप्रत्यक्ष रूप से लेखिका की नानी ने आज़ादी के आंदोलन मे भागीदारी रही।

Page: 26, Block Name: प्रश्न अभ्यास

Q3 लेखिका की माँ परंपरा का निरवाह न करते हुए भी सबके दिलों पर राज करती थी। इस कथन के आलोक में-

क)लेखिका की माँ की विशेषताएँ लिखिए। ख)लेखिका की दादी के घर के माहौल का शब्द चित्र अंकित कीजिए।

Answer.

- क) लेखिका की माँ की विशेषताएँ-
- 1) लेखिका की माँ आम भारतीय महिला की तरह खाना पकाने और बच्चों का पालन-पोषण करने तक सीमित

नहीं रहना चाहती थी।

Book: Kritika

- 2) वह दुबली-पतली स्त्रीव्यक्तितित्व की साड़ी पहनती है जो उनसे संभलती नहीं है। इस तरह उन्होंने पूरा जीवन गांधी जी के सिद्धांतों का पालन किया।
- 3) लेखिका की माँ सत्यवादी, ईमानदार, आज़ादी के प्रति जागरूक औरत थीं।
- 4) उनका व्यक्तित्व इतना प्रभावी था कि हर कार्य में उनकी सलाह ली जाती थी।
- ख) लेखिका के दादी के घर में सब लोग आज़ादी के आंदोलन मे हिस्सा लेने वाले थे। वे सादा जीवन और ऊँचे विचारों वाले थे। सब लोग अपनी मर्ज़ी के अनुसार चलते थे। घर में पुत्र और पुत्री मे भेदभाव नहीं था। घर का माहौल बड़ा धार्मिक, सामाजिक और साहित्यिक था।

Page: 26, Block Name: प्रश्न अभ्यास

Q4 आप अपनी कल्पना में लिखिये कि पर दादी ने पतोह के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत क्यो मांगी?

Answer.

लेखिका की दादी साहसी और खुले विचारों की औरत थी। उस समय ज्यादातर दादीयाँ पोते की कामना करती थीं। मेरे अनुसार लड़की की चाह रखना एक साहस और हिम्मत की बात है।

Page: 26, Block Name: प्रश्न अभ्यास

Q5 डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है-पाठ के आधार पर तर्क-सहित उत्तर दीजिए।

Answer.

चोर के पकड़े जाने पर लेखिका की माँ ने न तो चोर को पकड़ा, न पिटवाया, बल्कि उससे सेवा ली और अपना पुत्र बना लिया। उससे कहा कि चाहे चोरी कर चाहे खेती, ये तुम्हारी मर्ज़ी। उनके इस व्यवहार से चोर का मन बदल गया। उसने सदा के लिए चोरी छोड़ दी और खेती को अपना लिया। यदि वह चोर से बुरा व्यवहार करती तो शायद चोर गलत रास्ते पर चलने लगता। इसलिए डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही दिशा पर लाया जा सकता है।

Page: 26, Block Name: प्रश्न अभ्यास

Q6: शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है- इस दिशा में लेखिका के प्रयासों का उल्लेख करें। Answer.

शिक्षा बच्चों का जनमसिद्ध अधिकार है। इस दिशा में लेखिका ने बहुत सारे प्रयास किए। कर्नाटक के छोटे से कस्बे बागलकोट मे जब स्कूल नहीं था तो लेखिका ने खुद, अग्रेजी-हिन्दी-कन्नड़ तीन भाषाएँ पढने वाला स्कूल खोला और कर्नाटक सरकार से मान्यता दिलाई।

Page : 26 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7: पाठ के आधार पर लिखिये कि जीवन में कैसे इंसानों को अधिक श्रद्धा भाव से देखा जाता है?

Answer.

प्रस्तुत पाठ के आधार पर जो लोग किसी की बात को इधर-उधर नहीं करते और जिनके इरादे मजबूत होते हैं, कभी झूठ नहीं बोलते, सच के आगे झुकते है, जिन लोगों मे हीनभावना नहीं होती और जिनका व्यक्तित्व सरल और सहज हो, और जो लोग सदभावना से व्यवहार करते हैं तथा गलत रूढियों को तोड़ने की हिम्मत रखते है ऐसी ऊंची भावनाओं वाले दृढ़ संकल्पी लोगों को श्रद्धा से देखा जाता है।

Page: 26, Block Name: प्रश्न अभ्यास

Q8: 'सच अकेलेपन का मजा ही कुछ और है' इस कथन के आधार पर लेखिका की बहन एवं लेखिका का व्याक्तत के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Answer.

लेखिका और उसकी बहन बड़ी जिद्दी स्वभाव की थी। जो सोचती थी करके ही दम लेती थीं। अधिक बरसात के बावजूद सबके मना करने पर लेखिका की बहन स्कूल जाती है इससे उसका दृढ़ निश्चय स्वभाव झलकता है। दूसरी ओर जब लेखिका डालिमया नगर में रहती थी तब उसने स्त्री-पुरूष के नाटकों द्वारा सामाजिक कार्यों के लिए धन एकत्रित किया और कर्नाटक में मेहनती और खिसके लोगों के साथ से स्कूल खोला। ये सारी बातें लेखिका की हिम्मत, धैर्य, लीक से हटकर और स्वतंत्र व्यक्तित्व की ओर संकेत करते हैं।

Page : 26 , Block Name : प्रश्न अभ्यास